NT>

Title: Regarding throwing out of two passengers by the jawans of Indian Army from moving Sealdah-Jammu Tawi Express near Gaya on 9 December, 2003.

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि जहां हमें भारत की सेना पर गर्व है, पूरे देश, सदन और देश की जनता को गर्व है लेकिन कभी-कभी भारतीय सेना के जवानों का व्यवहार इतना अमानवीय होता है जिससे मानवता भी हिल जाती है। पिझले दिनों सियालदा-जम्मूतवी एक्सप्रैस जा रही थी जो गया स्टेशन पर रुकी थी। सहारनपुर के दो यात्री गया स्टेशन पर कुछ खाने-पीने के लिए उतरे और ट्रेन चल पड़ी तो उसके बाद वे भागते हुए ट्रेन के डिब्बे में घुसने लगे लेकिन सामने मिलिट्री के जवानों की बोगी पड़ी तो उसी में बैठ गये और वहां वे हाथ जोड़ते रहे कि अगले स्टेशन आने पर वे अपने डिब्बे में चले जाएंगे लेकिन मिलिट्री के जवानों ने उनको ट्रेन से उठाकर फेंक दिया। एक आदमी मर गया और एक घायल हो गया।

मैं मांग करता हूं कि भारत की सेना के जवानों को अनुशासन और मानवता भी बताएं। कम से कम कोई आदमी अगर किसी मजबूरी में है तो उसके साथ मानवता का व्यवहार करना चाहिए और कहीं-कहीं जसुनने में आता है कि भारत की सेना के जवान जिसको जब चाहे पीट देते हैं और जिसको चाहे नुकसान पहुंचा देते हैं। यह परम्परा पैदा हो गई है कि हम जो चाहे कर सकते हैं। इसलिए मेरी मांग है कि उन पर रोक लगाई जाए और उन्हें मानवीय व्यवहार करने का निर्देश दिया जाए। इस घटना के दोाी जो बोगी में थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, यह मैं मांग करता हूं।

13.33 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till fifteen minutes

past Fourteen of the Clock.